आलू निर्यात हेतु हितधारकों की बैठक
18 अगस्त, 2017

देश में आलू के बढते उत्पादन एवं किसानों को आलू का लाभकारी मूल्य दिलाने के उद्देश्य से केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला, हि.प्र. ने देश से आलू निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिये आलू निर्यात से जुड़े हितकारकों की एक राष्ट्रीय स्तर की बैठक का आयोजन राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, पूसा, नई दिल्ली में दिनांक **18** अगस्त, **2017** को किया। इस बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, एपिडा, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश आदि राज्यों के उद्यानिकी विभाग एवं कृषि निर्यात विभाग के मुख्य पदाधिकारियों, देष के प्रमुख देश के आलू निर्यातकों, प्रसंस्करण उद्योगों के प्रतिनिधियों एवं प्रगतिशील कृषकों ने भाग लिया। सर्वप्रथम संस्थान के निदेशक डा. एस. के. चक्रवर्ती ने बैठक में पधारे प्रतिभागियों का स्वागत किया। बैठक की अध्यक्षता डा. आनन्द कुमार सिंह, उपमहानिदेशक-उद्यान विज्ञान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने भारत से आलू निर्यात बढ़ावा देने के लिये इस विचार मंथन बैठक में एक ठोस निष्कर्ष निकालकर रोडमैप तैयार करने का आहवान किया। जिससे आलू निर्यात में वृद्धि करके बढ़ते आलू उत्पादक किसानों को लाभकारी मूल्य मिल सके। इस बैठक के विशिष्ठ अतिथि एपिडा के अध्यक्ष श्री डी. के. सिंह ने भारत से आलू निर्यात हेतु राष्ट्रीय नीतियों के बारे में विस्तार से बताया। डा. टी. जानकीराम, सहायक महानिदेशक-उद्यान विज्ञान ने राज्य एवं केन्द्रीय विभागों, आलू उत्पादकों, शीतगृह मालिकों, प्रसंस्करण उद्योग, आलू निर्यातकों के बीच समन्वय स्थापित करने पर बल दिया। डॉ सिंह ने आलू निर्यात से जुड़े सभी हितधारकों को इस बैठक में एक मंच पर लाने के प्रयास की सराहना की। डा. एस. के. चक्रवर्ती ने भारत से आलू निर्यात का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया। अन्य वक्ताओं ने आलू व्यापार मानचित्र और भारतीय सक्षम बाजार, आलू निर्यात से जुड़े पादप संरक्षण, फाइटोसेनेटरी, निर्यात के लिये आलू की प्रजातियों की विशेषताओं के बारे में बताया। बैठक में विभिन्न राज्य सरकारों के पदाधिकारियों ने आलू उत्पादन और निर्यात की वर्तमान स्थिति के बारे में अवगत कराया। आलू निर्यातकों ने निर्यात में आने वाली समस्याओं पर अपने विचार प्रस्तुत किये। साथ ही आलू प्रसंस्करण उद्योग प्रतिनिधियों ने प्रसंस्कृत उत्पादों के निर्यात पर चर्चा की। आलू उत्पादकों ने भी आलू निर्यात के लिये आलू उत्पादन से संबन्धित अपने विचारों से अवगत कराया। बैठक के अंत में केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान-क्षेत्रीय केन्द्र, मोदीपुरम के संयुक्त निदेशक डा. मनोज कुमार ने सभी प्रतिभागियों का बैठक में भाग लेने के लिए धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

आलू निर्यात हेतु हितधारकों की बैठक
Stakeholders Meeting on Potato Export
अगस्त 18, 2017
August 18, 2017
आयोजक / Organised by
CPRI

आलू निर्यात हेतु हितधारकों की बैठक
Stakeholders Meeting on Potato Export
अगस्त 18, 2017
August 18, 2017
आयोजक / Organised by
CPRI